

समाचार वाणी

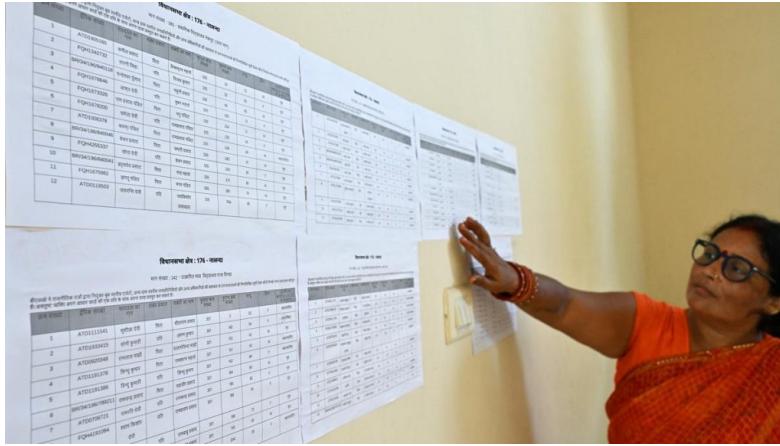
खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'फाइनल चुनावी सूची' जारी की, पटना में 1.63 लाख नए मतदाता जोड़े गए

Sanket Morankar

Published on 30 Sep 2025



बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर, **चुनाव आयोग** ने राज्य के लिए **फाइनल चुनावी सूची** जारी कर दी है। इस सूची में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, जिसमें पटना जिले में **1.63 लाख नए मतदाता** जोड़े गए हैं। आयोग के मुताबिक, यह कदम आगामी विधानसभा चुनाव में **मतदान प्रक्रिया** को और भी पारदर्शी और सटीक बनाने के लिए उठाया गया है। अब राज्य के नागरिक अपनी नाम की स्थिति ऑनलाइन **चुनाव आयोग की वेबसाइट** पर देख सकते हैं।

चुनाव आयोग के द्वारा जारी की गई फाइनल मतदाता सूची के अनुसार, **पटना जिले** में **1.63 लाख नए मतदाता** जोड़े गए हैं। यह आंकड़ा एक महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य में युवा मतदाता संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इन नए मतदाताओं में **18 से 21 वर्ष** की आयु वर्ग के नागरिक अधिक हैं, जो पहली बार वोट देने के योग्य हुए हैं। इससे यह भी साबित होता है कि युवा वर्ग अब चुनावों में अपनी भूमिका निभाने के लिए अधिक जागरूक हो रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की जांच के लिए एक **ऑनलाइन लिंक** प्रदान किया है, जिसे लोग **voters.eci.gov.in** पर जाकर अपनी जानकारी देख सकते हैं। आयोग ने यह सुनिश्चित किया है कि नागरिक आसानी से अपनी जानकारी देख सकें और किसी भी प्रकार की गलती या त्रुटि को सही करवा सकें। इसके अलावा, इस वेबसाइट पर मतदाताओं के लिए यह सुविधा भी उपलब्ध है कि वे अपने **वोटर आईडी** और **नाम के आधार** पर अपनी स्थिति चेक कर सकें।

चुनाव आयोग ने इस साल के चुनाव के लिए **फाइनल मतदाता सूची** में कई सुधार किए हैं। यह सूची अब पूरी तरह से **अपडेटेड** और **सटीक** है, जिससे मतदान प्रक्रिया में किसी प्रकार की धांधली की संभावना को नकारा जा सके। आयोग ने **पुरानी जानकारी** को हटा दिया है और कुछ नए मतदाताओं को सूची में शामिल किया है। यह कदम यह सुनिश्चित करता है कि केवल वे लोग ही मतदान कर सकें, जिनका नाम सही तरीके से सूची में दर्ज है।

अगर किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में नहीं है, या यदि सूची में कोई त्रुटि है, तो वे **चुनाव आयोग की वेबसाइट** पर जाकर **सुधार आवेदन** कर सकते हैं। आयोग ने यह सुविधा भी उपलब्ध कराई है कि **नए मतदाता**, जो अभी **18 वर्ष के हुए हैं**, वे भी अपनी **पंजीकरण प्रक्रिया** पूरी कर सकते हैं और अपनी जानकारी को सूची में जोड़ सकते हैं। यह सुधार प्रक्रिया उन सभी मतदाताओं के लिए उपयोगी है, जिनका नाम सूची में **गलत तरीके से** या **किसी कारणवश** नहीं जुड़ा है।

चुनाव आयोग ने एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, “लोग अपनी जानकारी **voters.eci.gov.in** पर जाकर चेक कर सकते हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि बिहार विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया **पारदर्शी** और **निष्पक्ष** हो, और किसी भी मतदाता को उनके मतदान के अधिकार से वंचित न किया जाए।” आयोग ने यह भी बताया कि **मतदाता सूची का संशोधन** समय-समय पर होता रहेगा, ताकि कोई भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया से बाहर न रहे।

चुनाव आयोग ने इस बार के विधानसभा चुनाव को लेकर कई नई योजनाओं का ऐलान किया है। इनमें **स्मार्ट पोलिंग बूथ**, **डिजिटल पहचान** और **मतदाता सहायता केंद्र** जैसे उपाय शामिल हैं। इसके अलावा, **कोविड-19** के मद्देनज़र, आयोग ने **स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल** लागू किए हैं, ताकि मतदाता सुरक्षित रूप से मतदान कर सकें।

इसके अलावा, आयोग ने **दिव्यांग मतदाताओं** के लिए विशेष प्रबंध किए हैं, ताकि वे भी आराम से मतदान कर सकें। **स्मार्ट पोलिंग बूथ** के जरिए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी मतदान केंद्रों पर **समय** और **सुविधा** के लिहाज से कोई परेशानी न हो।

चुनाव आयोग का यह कदम यह साबित करता है कि वह चुनावी प्रक्रिया को हर लिहाज से **सुसंगत**, **पारदर्शी** और **निष्पक्ष** बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। फाइनल मतदाता सूची के जारी होने के बाद, यह अब मतदाताओं की जिम्मेदारी बन जाती है कि वे अपने नाम की स्थिति जांचें और किसी भी प्रकार की गलती को सुधारें।

आखिरकार, इस सूची का उद्देश्य सिर्फ यह सुनिश्चित करना नहीं है कि सही मतदाता मतदान करें, बल्कि यह भी है कि चुनाव में **पारदर्शिता** बनी रहे और **प्रत्येक नागरिक** को उनके वोट का अधिकार मिले। अब बिहार के लोग इस सूची को देख कर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी **ध्वनि** दर्ज करा सकते हैं और राज्य के भविष्य को तय करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।